workers who have lost their jobs are from Kerala. I know that the hon. Deputy Chairman is also well aware of the situation.

The present oil crisis has aggravated the situation. We have witnessed a number of lay-offs, non-payment of wages to workers and forcing workers to stay in labour camps even without food. Of course, the Ministry of External Affairs has provided some food to those workers who compelled to stay back in labour camps. But, this is not going to serve the purpose.

Recently, Saudi Arabia has again declared another set of Nitaqat Laws which further aggravated the problems. Out of total households in Kerala, 25 per cent are dependent upon Gulf remittances for their livelihood. So, the problem of Gulf returnees is going to affect the State of Kerala in a very big way. It raised a serious concern as far as the economy of Kerala is concerned. It hit the State in a very big way.

So, I request the Central Government, through you, to announce rehabilitation package for Gulf returnees. Thank you.

SHRI ANANDA BHASKAR RAPOLU (Telangana): Sir, I associate myself with the Zero Hour submission of Shri Ragesh ji.

SHRI SWAPAN DASGUPTA (Nominated): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission of Shri Ragesh.

SHRI RANVIJAY SINGH JUDEV (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission of Shri Ragesh.

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Sir, I have to say something.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: No; no. After Chhaya Verma, please. There is one more Zero Hour notice. Let me finish it first.

Deletion of the name of former Prime Minister Late Shri Rajiv Gandhi from *Sadbhavana Divas*

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़): माननीय महोदय, 20 अगस्त को भारत के पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी जी के नाम पर 'सद्भावना दिवस' के रूप में पूरे भारत देश में कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है। सभी बैनर्स, पोस्टर्स, पैम्फलेट्स, फ्लेक्स बोर्ड्स आदि में "राजीव जी के जन्म दिवस पर सद्भावना दिवस" ऐसा लिखा जाता है। लेकिन माननीय महोदय, मैं बताना चाहूँगी कि 2014 से पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी जी का नाम विलोपित करके 20 अगस्त को केवल 'सद्भावना दिवस' के रूप में ही मनाया जा रहा है। राजीव जी का नाम उसमें विलोपित कर दिया गया है। लगता है कि इनकी सद्भावना खत्म हो गई है।

माननीय महोदय, भारत के पूर्व प्रधान मंत्री, हमारे राजीव जी, पूर्व प्रधान मंत्री ही रहेंगे। अगर इनका यही रवैया रहा, तो वर्तमान को भूतपूर्व बनते देर नहीं लगेगी। जिसने भी यह हिमाकत

[श्रीमती छाया वर्मा]

की है, नाम बदलने की, या तो यह भूलवश हुआ हो, तो सुधार लें और जान-बूझ कर यह किया हो, तो यह एक बहुत बड़ा * है। माननीय महोदय, ऐसा नहीं होना चाहिए। नाम को विलोपित न किया जाए। राज्य शासन और केंद्र शासन भी उनका अनुपालन कर रही है। इस मंच के माध्यम से मैं कहना चाहूँगी कि नाम को यथावत् रखा जाए, धन्यवाद।

SHRIMATI RAJANI PATIL (Maharashtra): Sir, I associate myself with what the hon. Member has said.

SHRI B. K. HARIPRASAD (Karnataka): Sir, also I associate myself with what the hon. Member has said.

SHRI BISWAJIT DAIMARY (Assam): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said.

श्री आनंद भास्कर रापोलू (तेलंगाना): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI RAJEEV SHUKLA (Maharashtra): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said.

MS. DOLA SEN (West Bengal): Sir, I also associate myself with what the hon. Member has said.

श्री महेन्द सिंह माहरा (उत्तराखंड): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री विवेक के. तन्खा (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

श्री सन्तियुस कुजूर (असम): महोदय, मैं भी इस विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, Rajiv Gandhi*ji* was a martyred Prime Minister of India. The country owes a debt of gratitude to its martyrs. ...(*Interruptions*).... Shri Rajiv Gandhi is a martyr of this country. He was the Prime Minister of India. And, this country had declared his birth anniversary as *Sadbhavana Divas*. Since 20th August, 2015, in all the Government advertisements, in all circulars, in all notifications, Shri Rajiv Gandhi's name and his photographs have been removed. It is an insult to the memory of a great Prime Minister. This Government owes an explanation. It is functioning in an arbitrary and authoritarian manner. They are putting in names of people in various schemes, involving thousands of crores of rupees. They had done nothing for this country. Nothing means, they never occupied any office. Schemes have been named after the names of people who have never been in Government, who have never been in Parliament, let alone being Prime Minister. And, the names of the former Prime Ministers have been obliterated.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

It is a great insult. We condemn it. And, this Government owes an explanation, and they should rather apologize. ...*(Interruptions)*...

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुख्तार अब्बास नक़वी): सर, पहली बात तो यह है कि आनन्द शर्मा जी जो कह रहे हैं, मैं उससे बिल्कुल इत्तिफाक नहीं रखता। उन्हें यह लगता है कि पूरे देश के सारे के सारे संसाधनों पर, सारी की सारी स्कीम्स पर, सारे के सारे कार्यक्रमों पर एक ही पार्टी का और एक ही परिवार का अधिकार है, तो वह सम्भव नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा: वे इस देश के प्रधान मंत्री थे। ...**(व्यवधान)**... वे इस देश के प्रधान मंत्री थे। ...**(व्यवधान)**...

श्री मुख्तार अब्बास नक़वी: इस देश में हजारों-हजार राष्ट्रभक्त हैं, हजारों-हजार ऐसे लोग हैं, जिन्होंने देश के लिए क़ुरबानी दी है। ...**(व्यवधान)**... देश के सम्मान, देश के स्वाभिमान के लिए उन्होंने अपना योगदान दिया है, उनको भूल जाएँ और अगर इनकी इच्छा यह है कि केवल एक परिवार और एक पार्टी के नाम पर सारी सरकारी योजनाएँ चलें, तो वह अब मोदी जी के समय में सम्भव नहीं है। ...**(व्यवधान)**...

श्री आनन्द शर्मा: * ...**(व्यवधान)**... यह काम करते हो? ...**(व्यवधान)**... नेहरू का नाम खत्म कर दो। ...**(व्यवधान)**... इंदिरा गांधी की शताब्दी हो, खत्म कर दो। ...**(व्यवधान)**... यह इतिहास है। इतिहास को नहीं बदल सकते। ...**(व्यवधान)**... आप चुन कर आए हो, बाहर भी निकाल दिए जाओगे। ...**(व्यवधान)**... आप इतिहास नहीं बदल सकते। ...**(व्यवधान)**...

SHRI SITARAM YECHURY (West Bengal): Shri Azad, do you want to speak on this issue? I am on a different issue.

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद): सर, मैं इस मुद्दे पर अपने साथियों के साथ खड़ा होना चाहता हूँ कि जिन लोगों ने भारत को स्वतंत्र कराया, भारत को आज़ादी दिलाई, उनके नाम पर जो स्कीमें हैं, उनके नाम को ढाई साल से निरंतर बदला गया है। जैसा कि मेरे कलीग, आनन्द शर्मा जी ने बताया कि उनका कोई रोल नहीं था, लेकिन चूंकि एक रूलिंग पार्टी के साथ उनकी इनडायरेक्ट-डायरेक्ट एसोसिएशन थी, उसकी वजह से उन स्कीमों के नाम नेहरू, इंदिरा गांधी या राजीव गांधी के नाम से हटाकर उनके नाम पर रखे गए। लेकिन, "सद्भावना दिवस" विशेष रूप से राजीव गांधी के नाम पर था। राजीव गांधी क्या कोई साधारण प्राइम मिनिस्टर थे? यहां बहुत सारे लोग, जो पदों की वजह से सिक्योरिटीज़ लेकर बैठे हैं, उनकी सिक्योरिटी इसलिए रखी गई थी, क्योंकि जो देशद्रोही थे, वे उनको मारना चाहते थे। जब हमारे देश से दक्षिण को अलग करने का खतरा पैदा हो गया था, तब उन्होंने उन तत्वों को दूर रखने के लिए श्रीलंका में peace keeping force भेजने में रोल अदा किया। उसके बाद भी जब तक उन तत्वों ने उनकी जान नहीं ले ली, तब तक वे पीछे नहीं हटे। इस प्रकार, देश की एकता और देश की अखंडता के लिए उनकी जान चली गई। इस तरह, कांग्रेस के लीडर्स, चाहे वे महात्मा गांधी हों, इंदिरा गांधी हों या राजीव गांधी हों, उन्होंने देश की एकता और अखंडता के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया है। उनके नाम की जगह पर उन स्कीमों के नाम किसी एक साधारण

*Expunged as ordered by the Chair.

[श्री गुलाम नबी आज़ाद]

नेता के नाम पर रखा गया है, जिसका कोई रोल न तो भारत की आज़ादी के लिए रहा है और न ही देश की एकता और अखंडता के लिए रहा है। अगर किसी का कोई रोल रहा है तो वह इस रूलिंग पार्टी के समर्थन के लिए रहा है। उनको एक ही पैरामीटर पर ट्रीट नहीं किया जा सकता। इसलिए जिन-जिन नेताओं के नाम पर वे स्कीमें थीं, उन्हें सरकार को चेंज नहीं करना चाहिए। जो "सद्भावना दिवस" है, इसके लिए तो कांग्रेस पार्टी किसी भी सूरत में यह बरदाश्त नहीं करेगी कि उसमें से उनका नाम बिल्कुल हटा दिया जाए।

† **قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد):** سر، میں اس مدّعے پر اپنے ساتھیوں کے ساتھہ کھڑا ہونا چاہتا ہوں کہ جن لوگوں نے بھارت کو سوتنتر کرایا، بھارت کو آزادی دلائی، ان کے نام پر جو اسکیمیں ہیں، ان کے نام کو ڈھائی سال سے لگاتار بدلا گیا ہے۔ جیسا کہ میرے ساتھی، آنند شرما جی نے بتایا کہ ان کا کوئی رول نہیں تھا، لیکن چونکہ ایک رولنگ پارٹی کے ساتھہ ان کی ان -ڈائریکٹ، ڈائریکٹ ایسوسی ایشن تھی، اس کی وجہ سے ان اسکیموں کے نام نہرو، اندرا گاندھی یا 'راجیو گاندھی کے نام سے ہٹاکر ان کے نام پر رکھے گئے۔ لیکن 'سدبھاونا دوس خاص طور سے راجیو گاندھی کے نام پھر تھا۔ راجیو گاندھی کوئی سادھارن پرائم منسٹر تھے؟ یہاں بہت سارے لوگ، جو پدوں کی وجہ سے سیکورٹیز لے کر بیٹھے ہیں، ان کی سیکورٹی اس لئے رکھی گئی تھی، کیوں کہ جو دیش دروہی تھے، وہ ان کو مارنا چاہتے تھے۔ جب ہمارے دیش سے دکشن کو الگ کرنے کا خطرہ پیدا ہو گیا تھا، تب انہوں نے ان تت وّوں کو دور رکھنے کے لئے سری لنکا میں peace keeping force بھیجنے میں رول ادا کیا۔ اس کے بعد بھی جب تک ان تت وّوں نے ان کی جان نہیں لے لی، تب تک وہ پیچھے نہیں ہٹے۔ اس طرح، دیش کی ایکتا اور ،دیش کی اکھنڈتا کے لئے ان کی جان چلی گئی۔ اس طرح، کانگریس کے لیڈرس چاہے وہ مہاتما گاندھی ہوں، اندرا گاندھی ہوں یا راجیو گاندھی ہوں، انہوں نے دیش کی ایکتا اور اکھنڈتا کے لئے اپنے جیون کا بلیدان دیا ہے۔ ان کے نام کی جگہ پر ان اسکیموں کے نام پر کسی ایک سادھارن نیتا کے نام پر رکھا گیا ہے، جس کا کوئی رول نہ توبھارت کی آزادی کے لئے رہا ہے اور نہ ہی دیش کی ایکتا اور اکھنڈتا کے لئے رہا ہے۔ اگر کسی کا کوئی رول رہا ہے تو وہ اس رولنگ پارٹی کے سمرتھن کے لئے رہا ہے۔ ان کے ایک ہی پیرامیٹر پر ٹریٹ نہیں کیا جاسکتا۔ اس لئے جن جن نیتاؤں کے نام پر وہ اسکیمیں تھیں، انہیں سرکار کو چینج نہیں کرنا چاہئے۔ جو سدبھاونا دوس ہے، اس کے لئے تو کانگریس پارٹی کسی بھی صورت میں یہ برداشت نہیں کرے گی کہ اس میں سے ان کا نام بالکل ہٹا دیا جائے۔

†Transliteration in Urdu script.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I have to say something.

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, you allowed me. May I now raise it? ...(*Interruptions*)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have allowed Yechuryji.

SHRI TIRUCHI SIVA: Sir, we totally agree with what the LoP said about the former Prime Minister, Shri Rajiv Gandhi. But I think, he mentioned about South ceding, and for that he sent IPKF, and all that which is unwarranted. ...(*Interruptions*)...

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI GHULAM NABI AZAD): I have mentioned the names of the killers. I have mentioned the names of those who killed him. ...(*Interruptions*)...

SHRI SITARAM YECHURY: Sir, I want to raise an important issue and with anger and anguish I am raising this issue. I want a proper and thorough investigation in the manner in which the death of one of our very senior colleagues in the Parliament, a former Cabinet Minister, Shri E. Ahamed was handled, the way in which the news of his death was sought to be suppressed and there are various allegations. I have got various information. Some doctors say he was declared dead when he was taken to the hospital. Some say he died subsequently in the ICU. Then later he was shifted to the trauma centre saying that there are better facilities. And there has been interference; that is what I hear from the highest authorities in the country, from the PMO, and this is something that cannot be accepted. This is * for the Indian Parliament to accept this. I want this issue to be thoroughly investigated. I wish my information, what I heard of, is not correct, but if it is correct, then they must be made accountable and action must be taken against those who had behaved in this manner. The senior most leaders of our politics today were not allowed to see him in the hospital. His own children were not allowed to see him. Sir, tell me, any life support system can be put on anybody only with the permission of the nearest relative. Without that, how was that put and how was the announcement of the death delayed? If this can happen to somebody who spent half a century in our country's democratic process in the Parliament and Assemblies, then, you can imagine what will be the plight of the people! And this sort of a maneuvering is something that is completely unacceptable.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Minister would like to say something on that.

SHRI SITARAM YECHURY: No, no; Sir, I am asking you. I am asking you that an investigation must be ordered. ....(*Interruptions*)... I am asking you that an investigation must be ordered. People should be made accountable.

---

*Expunged as ordered by the Chair.

SHRI GHULAM NABI AZAD: Since it is 12 o'clock, we would like to discuss this issue tomorrow. I and many of my colleagues were there upto 1 o'clock in the morning.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Now, it is time for the Question Hour. ....(*Interruptions*)...

SHRI GHULAM NABI AZAD: So, they will say what they have to. ...(*Interruptions*)... We were witness to that. ...(*Interruptions*)... We will discuss it tomorrow. ...(*Interruptions*)... It is all fabricated. ...(*Interruptions*)...

12.00 Noon

(MR. CHAIRMAN *in the Chair.*)

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*16. **[*The Questioner was absent*]**

Online ticketing facility for railway pass holders

*16. SHRI VIVEK GUPTA: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that railway pass holders do not have the facility to book tickets online through any portal;

(b) the details of money spent by Government per ticket on booking at the counter and online respectively;

(c) whether Government is planning to link Aadhaar to avail railway passes henceforth, if so, the details thereof; and

(d) the details of all sections of Government employees eligible for railway passes along with the number thereof in each case ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SURESH PRABHU): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes, Sir. At present, railway pass holders do not have the facility to book tickets online through any portal.

(b) With regard to ticket issued through computerised Passenger Reservation System (PRS) counters, the cost is incurred on various inputs such as premises, equipment, their maintenance, manpower cost and other costs such as electricity,